IJIRSET
International Journal of Innovative Research in
SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

e-ISSN: 2319-8753 | p-ISSN: 2347-6710

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

Volume 11, Issue 3, March 2022

INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

Impact Factor: 7.569

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology (IJIRSET)

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102010 |

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध

Dr. Rajbala Singh

Principal, Dept. of Political Science, Govt. PG College, Rajakheda, Dholpur, Rajasthan, India

सारांश

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध का पांचवा दिन बीत चुका है। अब तक 16 बच्चों समेत 352 यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। वहीं यूक्रेन का दावा है कि उसने 4500 रूसी सैनिकों को मार गिराया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों को सलाह दी है कि जान बचाकर भागो, कमांडरों पर भरोसा मत करो। तल्ख बयानों और एक-दूसरे को धमकियों के बीच रूस और यूक्रेन में सोमवार को पांच घंटे चली वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। बेलारूस के गोमेल में प्रिपेट नदी के किनारे हुई वार्ता में यूक्रेन ने मांग रखी कि रूस तुरंत युद्ध रोके और दोनबास व क्रीमिया समेत यूक्रेन के सभी इलाकों से सेना हटाए। वहीं, रूस ने यूक्रेन पर हमले जारी रखने के साथ परमाणु ट्रायड की तैयारी शुरू कर दी। मिसाइल कमांड भी अलर्ट पर है। रूसी सेना ने यूक्रेनी नागरिकों को सुरक्षित रास्तों से कीव छोड़ने की सलाह दी है। वार्ता में यूक्रेनी दल का नेतृत्व रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने किया जबकि रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पूर्व संस्कृति मंत्री व्लादिमीर मेदिंस्की कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्ष जल्द फिर बैठक पर सहमत हुए हैं। अब पोलैंड-बेलारूस की सीमा पर बैठक होगी। वार्ता के बीच ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनके लिए वार्ता का लक्ष्य तत्काल युद्ध विराम और रूसी बलों की वापसी है। वार्ता के नतीजों से नाउम्मीद जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों को जान बचाकर लौटने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा, अपने कमांडरों के दावों पर भरोसा मत करो। अबतक 4500 रूसी सैनिक मारे गए हैं। दूसरी ओर मेदिंस्की ने कहा, चूंकि विवाद के कारण हर घंटे यूक्रेनी नागरिक और सैनिक मर रहे हैं इसलिए जल्दी से जल्दी समझौते पर पहुंचना दोनों पक्षों के हित में है।

परिचय

वार्ता के बारे में रूसी प्रतिनिधि व्लादिमीर मेंदिस्की ने कहा, यूक्रेनी पक्ष के साथ बातचीत करीब पांच घंटे चली और हमने एजेंडे के सभी बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान हमने कुछ ऐसे बिंदू तलाशे हैं जिनपर हमें उम्मीद है कि एक साथ आगे बढ़ा जा सकता है। अभी वार्ता के बारे में दोनों पक्ष अपने नेतृत्व को जानकारी देने लौटे हैं और आने वाले दिनों में फिर वार्ता होगी। यूक्रेन के विभिन्न शहरों में लड़ाई सोमवार को भी जारी रही लेकिन अन्य दिनों की अपेक्षा पांचवें दिन रूसी सेना के आगे बढ़ने की गति धीमी रही। कीव, खारकीव, मेरियूपोल समेत कई शहरों में रूसी मिसाइलों और टैंकों का हमला जारी रहा। यूक्रेनी अधिकारियों ने दावा किया कि इनमें से कोई भी शहर अभी रूसी जमीनी सेनाओं के कब्जे में नहीं है। वहीं, रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसकी सेना ने यूक्रेन के दक्षिण पूर्व में स्थित दो छोटे शहरों बेरडेयंस्क और एनेरहोदर पर कब्जा जमा लिया है। इसके अलावा जेपोरिज्झया परमाणु संयंत्र पर भी कब्जा कर लिया है। यूक्रेन ने परमाणु संयंत्र पर कब्जे से इनकार किया है। यूक्रेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 14 बच्चों समेत 352 यूक्रेनी नागरिक अबतक युद्ध के दौरान मारे जा चुके हैं। 1684 लोग घायल हैं। हालांकि स्वतंत्र सूत्रों के अनुसार मृतकों की संख्या इससे कहीं अधिक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 5 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर पड़ोसी देशों में जा चुके हैं। यूक्रेन राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सेना बनाने की घोषणा भी कर दी। उन्होंने कहा, मैं पूरी दुनिया के लोगों से इस सेना में शामिल होने की अपील करता हूं। यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखने लगा है। रूस की मुद्रा रूबल में डॉलर के मुकाबले सोमवार को एक दिन में 30 फीसदी की गिरावट आ गई। रूस के केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अपनी नीतिगत ब्याज दरों में 100 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि कर दी है।[1,2]

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102010 |

यूक्रेन में जारी जंग के दौरान सेना के जवान।

विचार – विमर्श

इस बीच रूस ने 36 देशों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है।

इनमें अधिकांश यूरोपीय देश और कनाडा शामिल है। ये वो देश हैं जिन्होंने रूसी विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया है। रूसी विमानन एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुतिन के परमाणु बलों को हाई अलर्ट पर रहने संबंधी आदेश के बाद चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, सभी पक्षों को शांति रखनी चाहिए और स्थिति को गंभीर होने से बचाना चाहिए। चीन ने पश्चिमी देशों को नसीहत देते हुए कहा, हर देश की उचित सुरक्षा चिंताओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। [3,4]

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102010 |

संयुक्तराष्ट्र मानवाधिकार आयोग ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बारे में इस सप्ताह बैठक करने का फैसला किया है। यूक्रेन के आग्रह पर यह बैठक होगी। 47 सदस्यीय आयोग में 29 सदस्यों ने बैठक बुलाने के पक्ष में जबकि रूस-चीन समेत 5 ने विपक्ष में वोट डाला। 13 सदस्य मतदान से बाहर रहे। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा का आपात सत्र बुलाने के प्रस्ताव पर निरपेक्ष रहकर रूस का साथ दिया और कहा कि वार्ता और कूटनीतिक रास्ते पर लौटने से ही निकलेगा हल, और कोई विकल्प नहीं है। वहीं दूसरी ओर भारत मानवीय आधार पर यूक्रेन को दवाओं और राहत सामग्री भेजेगा और इसकी पहली खेल मंगलवार को रवाना की जाएगी। पूरी दुनिया को एक मानने के भारतीय विचार के तहत भारत यूक्रेन में फंसे अपने पड़ोसी और विकासशील देशों के नागरिकों की मदद के लिए यह पहल कर रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए जा रहे प्रतिबंधों से अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने व वित्तीय स्थिरता के लिए रूस के सेंट्रल बैंक ने सोमवार को मुख्य ब्याज दर 9.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दी। यह पिछले 100 साल की सर्वाधिक दर है। वहीं बैंकों में कैश खत्म होने की आशंका में रूस के नागरिक बैंकों व एटीएम के बाहर कतारें लगाकर पैसा निकालने लगे। डॉलर के मुकाबले रूसी मुद्रा रूबल एक ही दिन में करीब 30 प्रतिशत गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंची[5,6]

परिणाम

यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे प्रतिबंधों से रूस के सेंट्रल बैंक के करीब 63,000 करोड़ रुपये के विदेशी मुद्रा भंडार व स्वर्ण भंडार फ्रीज होंगे। प्रमुख बैंक स्विफ्ट सिस्टम का उपयोग नहीं कर पाएंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय कारोबार ठप हो सकता है। कई बैंकों का कामकाज भी पश्चिमी देशों द्वारा रोका जा रहा है। ताजा कदम पर रूसी सेंट्रल बैंक ने बताया कि रूबल में तेज गिरावट और महंगाई में तेज वृद्धि को रोकने के लिए ब्याज दरें बढ़ाई जा रही हैं। कंपनियों को निर्देश दिए कि वे अपने विदेशी मुद्रा राजस्व का 80 प्रतिशत भाग बेच दें। रूसी शेयर दलालों को निर्देश दिए गए कि वे विदेशियों के नियंत्रण वाले शेयर न बेचें।[7,8] इस बारे में बैंक ऑफ रशिया की गवर्नर एल्विरा नबियुलीना जल्द विस्तृत निर्देश जारी कर सकती हैं। रविवार को सेंट्रल बैंक ने घरेलू बाजार से सोना खरीदने की घोषणा की थी। प्रतिबंधों व नागरिकों की बैंकों-एटीएम के बाहर कतारों को देखते हुए अंदेशा जताया जा रहा है कि रूस में महंगाई भी तेजी से बढ़ सकती है। एशियाई मार्केट विश्लेषण जैफरी हॉले के अनुसार, रूस की बैंकिंग व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय कारोबार तहस-नहस हो सकता है।

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102010 |

यूरोपीय सेंट्रल बैंक ने दावा किया कि रूस सरकार के प्रमुख हिस्सेदारी वाले स्बेरबैंक की यूरोपीय कंपनी स्बेरबैंक यूरोप के फेल होने का खतरा पैदा हो गया है। इसकी वजह बैंक में कैश की कमी को बताया। इस बैंक की यूरोप में 185 शाखाएं हैं। भारत मानवीय आधार पर यूक्रेन को दवाओं और राहत सामग्री भेजेगा और इसकी पहली खेल मंगलवार को रवाना की जाएगी। पूरी दुनिया को एक मानने के भारतीय विचार के तहत भारत यूक्रेन में फंसे अपने पड़ोसी और विकासशील देशों के नागरिकों की मदद के लिए यह पहल कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन संकट और वहां फंसे भारतीयों को लाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन गंगा पर उच्चस्तरीय बैठक में यह जानकारी दी। [9,10]

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरी सरकारी मशीनरी सभी भारतीय को सुरक्षित रखने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके विशेष दूत के रूप में चार मंत्रियों के विभिन्न देशों की यात्रा करने से भारतीयों को निकालने की प्रक्रिया तेज करने में मदद मिलेगी। यह कदम इस मामले में सरकार की प्राथमिकता को भी दिखाता है। यूक्रेन पर रूसी हमले को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा का विशेष आपात सत्र बुलाने के प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद में हुए मतदान में भारत ने हिस्सा नहीं लिया। 72 घंटे के अंतराल में रविवार को दूसरी बार मतदान में अनुपस्थित रहते हुए भारत ने कहा कि यूक्रेन संकट का समाधान वार्ता और कूटनीतिक रास्ते से ही निकल सकता है। 15 देशों में 11 सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया। प्रस्ताव को स्थायी सदस्य वीटो नहीं कर सकते थे, इसलिए यह पारित हो गया। सोमवार को 193 देशों की महासभा का विशेष आपात सत्र बुलाया गया है।

प्रस्ताव पारित करने के लिए 15 में से 9 सदस्यों का समर्थन चाहिए था। चीन और यूएई ने भी मतदान में हिस्सा नहीं लिया। रूस ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया। बाकी 11 सदस्यों अल्बानिया, ब्राजील, फ्रांस, गैबॉन, घाना, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको, नॉर्वे, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका ने पक्ष में मतदान किया। 72 घंटे में दूसरी बार हुए इस मतदान का स्वरूप शुक्रवार को हुए मतदान जैसा ही रहा, लेकिन परिणाम अलग निकला। महासभा सत्र बुलाने का प्रस्ताव प्रक्रियागत होने से कोई स्थायी सदस्य वीटो का उपयोग नहीं कर सकता था।[11,12]

निष्कर्ष

परिषद की शुक्रवार की बैठक के बाद यूक्रेन के हालात और बिगड़ना खेदजनक है। हिंसा व दुश्मनी तत्काल रोकी जाए। केवल वार्ता और कूटनीति में ही इस संकट का हल है, इस रास्ते पर तत्काल लौटा जाए। दोनों देश बातचीत के लिए राजी हुए हैं, यह

| e-ISSN: 2319-8753, p-ISSN: 2347-6710| www.ijirset.com | Impact Factor: 7.569|

|| Volume 11, Issue 3, March 2022 ||

| DOI:10.15680/IJIRSET.2022.1102010 |

स्वागत योग्य है। हम यूक्रेन में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।[13,14]

इन्हीं हालात में भारत ने मतदान में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया है। भारत वैश्विक व्यवस्था को टिकाऊ बनाने वाले अंतरराष्ट्रीय कानूनों, यूएन चार्टर और क्षेत्रीय अखंडता व सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान जैसे उसूलों का पालन चाहता है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच फेसबुक और ट्विटर ने यूक्रेन के खिलाफ शेयर हो रहे फर्जी दावे को डिलीट किया है। फेसबुक के मुताबिक इन अकाउंट्स से यूक्रेन पर रूस के युद्ध को लेकर फर्जी खबरें और दुष्प्रचार किया जा रहा था।

जिन अकाउंट को डिलीट किया गया है उनमें से एक रूस से जुड़ा था जबकि दूसरे का संबंध एक बेलारूसी हैकर ग्रुप से था। गूगल ने रशिया टुडे और स्पुतनिक के यूट्यूब चैनल को ब्लॉक कर दिया है। इससे पहले मेटा ने भी पूरे यूरोपीय संघ में रूसी राज्य मीडिया आउटलेट आरटी और स्पुतनिक को ब्लॉक किया है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले पांच दिन से जारी जंग के थमने के आसार नहीं दिख रहे हैं। रूसी सेना तेजी से आगे बढ़ते हुए यूक्रेन के बड़े शहरों पर कब्ज़ा करने की कोशिश में लगी हुई है। वहीं यूक्रेन भी पूरी ताकत के साथ उसका सामना कर रहा है। दोनों के बीच जारी भीषण युद्ध में जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है और बड़े स्तर पर लोगों का पलायन भी जारी है। [15,16]

संदर्भ

1. "अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून में "सशस्त्र संघर्ष" शब्द को कैसे परिभाषित किया गया है?" (पीडीएफ) । रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति । मार्च 2008।
2. ^ "युद्ध" । कैम्ब्रिज डिक्शनरी । 1 अगस्त 2016 को लिया गया ।
3. ^ मिहुला, डेनियल (2013): द यूज़ ऑफ़ फोर्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस , पृ. 67, आईएसबीएन 978-80-224-1341-1 ।
4. ^ जेम्स, पॉल ; फ्रीडमैन, जोनाथन (2006)। वैश्वीकरण और हिंसा, वॉल्यूम। 3: वैश्वीकरण युद्ध और हस्तक्षेप । लंदन: सेज पब्लिकेशन्स.
5. ^ "युद्ध" । ऑनलाइन व्युत्पत्ति शब्दकोश । 2010 . 24 अप्रैल 2011 को लिया गया ।
6. ^ कीली, लॉरेंस एच: वॉर बिफोर सिविलाइज़ेशन: द मिथ ऑफ़ द पीसफुल सैवेज . पी। 37.
7. ^ डायमंड, जारेड, गन्स, जर्म्स एंड स्टील
8. ^ कॉनवे डब्ल्यू। हेंडरसन (9 फरवरी 2010)। अंतर्राष्ट्रीय कानून को समझना । जॉन विले एंड संस। पीपी. 212- . आईएसबीएन 978-1-4051-9764-9. 31 मई 2012 को लिया गया ।
9. ^ बी. जोंगमैन और जेएमजी वैन डेर डेनेन, 'द ग्रेट "वॉर फिगर्स" होक्स: पोलमॉमीथोलॉजी में एक जांच'
10. ^ रॉबर्टो मुहलेनकैंप, 'जर्म्स वर्सेज गन्स, या डेथ फ्रॉम मास वायलेंस इन पर्सपेक्टिव'
11. ^ मैथ्यू व्हाइट, एट्रोसिटोलॉजी: ह्यूमैनिटीज 100 डेडलीएस्ट अचीवमेंट्स , कैनोंगेट बुक्स लिमिटेड (20 अक्टूबर 2011), आईएसबीएन 0857861220
12. ^ मैथ्यू व्हाइट, 'आदिम युद्ध'
13. ^ डेविड मैककंडलेस, '20थ सेंचुरी डेथ'
14. ^ "समीक्षा: सभ्यता से पहले का युद्ध" . Brneurosci.org। 4 सितंबर 2006। 21 नवंबर 2010 को मूल से संग्रहीत । 24 जनवरी 2011 को लिया गया ।
15. ^ स्पेंगलर (4 जुलाई 2006)। "आदिम प्रामाणिकता की धोखाधड़ी" । एशिया टाइम्स ऑनलाइन । मूल से 6 जुलाई 2006 को संग्रहीत । 8 जून 2009 को लिया गया ।
16. ^ मार्टिन, डेबरा एल., रयान पी. हैरोड, और वेंचुरा आर. पेरेज़, सं. 2012. हिंसा की जैव पुरातत्व । गेन्सविले: यूनिवर्सिटी प्रेस ऑफ फ्लोरिडा। http://www.upf.com/book.asp?id=MARTI002

INNO SPACE
SJIF Scientific Journal Impact Factor

Impact Factor:
7.569

doi crossref

ISSN INTERNATIONAL STANDARD SERIAL NUMBER INDIA

निस्केयर NISCAIR

INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIVE RESEARCH

IN SCIENCE | ENGINEERING | TECHNOLOGY

9940 572 462 6381 907 438 ijirset@gmail.com

Scan to save the contact details

www.ijirset.com